हमारा नगर (Our Town)

नगर हमारा सुन्दर उपवन, भांति-भांति के फूल यहाँ,
सप्त-सुरों में कलरव करते, नित साँझ सवेरे पंछी यहाँ|

लघु भारत सा अपना उपवन, हरेक प्रान्त के लोग यहाँ,
भिन्न कलाओं रास-रंग के, नित-नित लगते मेले यहाँ|

ईद, लोहड़ी, छठ, गरबा, गणपति उत्सव की धूम यहाँ,
मिल जुल कर करते सब मंगल, जात-प्रान्त का ना भेद यहाँ|

माँ चम्बल के वरदान से सिंचित, बाग-खेत-खलिहान यहाँ,
गांव-गांव तक खुशहाली दी, धन-धान्य से तृप्त किसान यहाँ|

प्रकृति की छठा बिखेरें, पर्वत-वन-जल प्रपात यहाँ,
इसकी गोद में निर्भय पलते, वन्य-जीव, पशु-पंछी यहाँ|

भेंट चढ़ रहा है जन-जीवन, जहाँ प्रान्त-वाद की ज्वाला में,
फँसता जाता हर आम आदमी, ओछी राजनीती के भ्रम-जालों में|

इन सब कुटिल हवाओं का, ना मौसम पर प्रभाव यहाँ,
प्रेम-सुधा की वर्षा होती, चैत्र से फाल्गुन मास यहाँ|
नगर हमारा...

Kuldeep Verma 'Saahil'
Rajasthan Atomic Power Station
Unit 5 & 6,
Anushakti, Rawatbhata